RASTRIYA SAHARA 25 AUG 08

'पास होने के बाद भी नहीं दिखते भगवान'

सहारा न्यूज ब्यूरो
दक्षिणी दिल्ली, 24 अगस्त।

हमारी आंखे हमें वही दिखाना चाहती हैं जो हम देखना चाहते हैं, और जिन चीजों को हम नहीं देखना चाहते वह हमारे समक्ष होने के बावजूद हमें नहीं दिखाई देती। इसीलिए लोग जिंदगी भर भगवान को ढूंढते रहते हैं जबकि भगवान उनके समीप होने के बावजूद उन्हें नहीं दिखते। इसी का फायदा उठाकर हर कोई अपने को भगवान व भगवान का पुत्र होने का दावा करता रहता है।

यह उद्गार अध्यात्म गुरु सदगुरू जग्गी वासुदेव ने योग, विज्ञान व अध्यात्म विषय पर आयोजित द्वितीय वैश्विक सम्मेलन के दौरान व्यक्त किए। रविवार को चिन्मया सभागार में सम्मेलन के समापन समारोह के दौरान उपस्थित लोगों व गणमान्य व्यक्तियों को

फोटो : एसएनबी

आध्यात्मिक गुरु जग्गी वासुदेव की पुस्तकों का विमोचन करते भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. हर्षवर्द्धन।

अध्यात्म का पाठ पढ़ाते हुए सद्गुरु ने कहा कि किसी को गुरु बनाने के पूर्व उस पर विश्वास करना अत्यंत जरूरी है। इस अवसर पर सदगुरु की दो पुस्तकें 'एसेंसियल विजडम' और 'द मिस्टिक आई' का विमोचन किया गया। विमोचन के दौरान जाने माने टीवी जर्नलिस्ट व एंकर विक्रम चंद्रा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डा. हर्षवर्द्धन, एडगुरू प्रहलाद कक्कड़ सहित अनेक जानी मानी हस्तियां उपस्थित थीं।